# सामाजिक विज्ञान-2017(A) (प्रथम पाली)

Time : 2 Hrs. 45 Minutes] [Full Marks : 80

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश : देखें 2015 ( प्रथम पाली )

## ग्रुप-अ, इतिहास (20 अंक)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुने:-

1. रूस में कृषक दास प्रथा का अंत कब हुआ? 1

(a) 1861 (b) 1862

(c) 1860 (d) 1870

2. लंदन में अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा कब लागू हुई? 1

(a) 1850 (b) 1855

(c) 1860 (d) 1870

3. सही शब्द के रिक्त स्थान की पूर्ति करें: 1

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले अध्यक्ष ..... थे।

4. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें: 1

सन् ..... में मजदूर संघ अधिनियम पारित हुआ।

5. निम्न प्रश्नों के उत्तर 50 से 60 शब्दों में दें:

औद्योगिकीकरण से आप क्या समझते हैं? 3

6. 1929 के आर्थिक संकट के कारणों का संक्षेप में वर्णन करो। 3

7. साम्यवाद एक नयी आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था थी। कैसे? 3

8. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 से 120 शब्दों में दें:

रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना करें। 7

अथवा, मुद्रण क्रांति ने आधुनिक विश्व को कैसे प्रभावित किया?

## ग्रुप-ब, भूगोल (20 अंक)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुने:-

9. काली मृदा का दूसरा नाम क्या है? 1

(a) बलुई मिट्टी (b) रेगुर मिट्टी

(c) लाल मृदा (d) पर्वतीय मृदा

10. भारत का राष्ट्रीय पक्षी कौन है? 1

(a) कबूतर (b) हंस (c) मयूर (d) तोता

11. सही शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें:

(i) ऊर्जा संकट से बचने के लिए प्रथमत: ऊर्जा के ..... में मितव्ययिता बरती जाए। 1

(ii) भाखड़ा नांगल परियोजना ..... नदी पर स्थित है। 1

निम्न प्रश्नों का उत्तर 50 से 60 शब्दों में दें:

12. जल संसाधन के क्या उपयोग हैं? 3

13. खनिजों के आर्थिक महत्त्व का वर्णन करें। 3

14. पेट्रोलियम से किन-किन वस्तुओं का निर्माण होता है? 3

15. निम्न प्रश्न के उत्तर 100 से 120 शब्दों में दें:
प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपायों का वर्णन करिए।
अथवा, पूरे पृष्ठ पर भारत का रेखा मानचित्र बनाइए तथा निम्नलिखित को अंकित क
(क) चाय उत्पादन क्षेत्र (ख) वाराणसी
(ग) श्रीनगर (घ) पटना
केवल नेत्रहीन छात्रों के लिए-
भारत में गन्ने की खेती का विस्तार पूर्वक वर्णन करें।

## ग्रुप-स, राजनीतिक विज्ञान (17 अंक)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में सही विकल्प चुनें:-
16. निम्नलिखित व्यक्तियों में कौन लोकतंत्र में रंगभेदी के विरोधी नहीं थे?
(a) किंग मार्टिन लुथर
(b) महात्मा गांधी
(c) ओलंपिक धावक टॉमी स्मिथ एवं जॉन कार्लोस
(d) जेड गुडी
17. बिहार में सम्पूर्ण क्रांति का नेतृत्व निम्नलिखित में किसने किया?
(a) मोरारजी देसाई (b) नीतीश कुमार
(c) इंदिरा गांधी (d) जयप्रकाश नारायण
18. निम्न प्रश्नों का उत्तर 20 शब्दों तक में दे:
दल बदल कानून क्या है?
19. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 से 60 शब्दों में दें:
भारत में किस तरह की जातिगत असमानताएं हैं? स्पष्ट करें।
20. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 से 60 शब्दों में दें:
चिपको आंदोलन के मुख्य उद्देश्य क्या थे?
21. निम्नांकित प्रश्न का उत्तर 100 से 120 शब्दों में दें:
भारत में लोकतंत्र कैसे सफल हो सकता है? स्पष्ट करें।
अथवा, परिवारवाद और जातिवाद बिहार में किस तरह लोकतंत्र को प्रभावित करता

## ग्रुप-द, अर्थशास्त्र (17 अंक)

22. निम्न में से कौन को प्राथमिक क्षेत्र कहा जाता है-
(a) सेवा क्षेत्र (b) कृषि क्षेत्र
(c) औद्योगिक क्षेत्र (d) इनमें से कोई नहीं
23. भारत का केन्द्रीय बैंक कौन है?
(a) रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (b) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
(c) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (d) पंजाब नेशनल बैंक
24. निम्न प्रश्नों का उत्तर 20 शब्दों तक में दें:-
वस्तु विनिमय क्या है? 1
25. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 से 60 शब्दों में दें:-
सहकारिता से आप क्या समझते हैं? 3
26. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 से 60 शब्दों में दें:-
वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं? 3

निम्न प्रश्न का उत्तर 100 से 120 शब्दों में दें:-

7. बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन के क्या कारण है? बिहार के पिछड़ेपन को दूर करने के किन्हीं दो उपायों को लिखें। 7

अथवा, 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986' का मुख्य विशेषताओं का वर्णन करें?

## ग्रुप-इ, आपदा प्रबंधन (6 अंक)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में सही विकल्प चुनें:-

8. बाढ़ क्या है? 1

(a) प्राकृतिक आपदा (b) मानव जनित आपदा

(c) सामान्य आपदा (d) इनमें से कोई नहीं

9. बाढ़ से सबसे अधिक हानि होती है- 1

(a) फसलों को (b) पशुओं को

(c) भवनों को (d) उपरोक्त सभी को

10. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 से 60 शब्दों में दें:-

भूकम्प के प्रभावों को कम करने वाले चार उपायों को लिखें। 3

## उत्तरमाला

1.(क), 2.(घ), 3.व्योमेश चन्द्र बनर्जी, 4.1526

5. **औद्योगिकरण**—औद्योगिकरण का अर्थ होता है उद्योगों को बढ़ावा देना। इसमें मशीनों के माध्यम से उत्पादन को प्राथमिकता दिया जाता है। जैसे सूती वस्त्र का निर्माण, लौह-इस्पात, कागज इत्यादि। औद्योगीकरण ने वृहत स्तर पर उत्पादन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है।

6.(i) प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात विश्व बाजार में खाद्यान्नों की आपूर्ति आवश्यकता से अधिक हो गई। इससे अनाज की कीमते घट गईं। उन्हें खरीदने वाला नहीं रहा।

(ii) गरीबी, बेरोजगारी और भुखमरी से औद्योगिक उत्पादों का खरीदार भी घट गया। इसका प्रभाव उद्योगों पर पड़ा।

(iii) प्रथम विश्वयुद्ध के बाद अमेरिकी पूँजी के प्रवाह में कमी आई। अत:, अमेरिकी कर्ज पर आश्रित देशों के लिए संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई तथा महामंदी आ गई।

7.समाजवाद मुक्तिवादी सिद्धांत है जो नई आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से समसामयिक वास्तविकता की सुविचारित व्याख्या है। दोनों मानवीय दमन और शोषण से मानवीय विमुक्त के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। लिहाजा इसकी आर्थिक अवधारणा उत्पादन के साधनों पर से निजी स्वामित्व को नष्ट करके इसके बदले सार्वजनिक स्वामित्व की रचना करता है। वहीं सामाजिव व्यवस्था शोषणमुक्त और वर्गविहीन समाज में सन्निहित है। ऐसे समाज में वर्ण, जाति लिंग, धर्म इत्यादि का भेदभाव नहीं होता है। अत: साम्यवाद एक नई आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था थी।

8.रूसी क्रांति या बोल्शेविक क्रांति का रूस पर निम्नांकित व्यापक प्रभाव पड़े—

(i) **जारशाही का अंत**—जारशाही समाप्त हो गई। जनतंत्रात्मक व्यवस्था स्थापित हुई और सोवियत समाजवादी गणराज्य संघ (USSR) का गठन हुआ।

(ii) **सर्वहारा वर्ग के अधिनायकवाद की स्थापना**—रूस में सत्ता पर सर्वहारा वर्ग का आधिपत्य स्थापित हुआ।

(iii) **नई प्रशासनिक व्यवस्था की स्थापना**—साम्यवादी विचारधारा के अनुकूल प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित की गई।

(iv) **नई सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था**—वर्गविहीन समाज का निर्माणकर रूसी समाज का परंपरागत स्वरूप बदल दिया गया।

(v) धर्मनिरपेक्ष राज्य—धार्मिक जीवन पर से चर्च का प्रभाव समाप्त कर दिया गया तथा धर्मनिरपेक्ष राज्य की स्थापना हुई।

(vi) रूसीकरण की नीति का परित्याग—नई व्यवस्था के अनुसार, पुराने रूसी साम्राज्य के अंतर्गत आनेवाले सभी राष्ट्रों को सोवियत गणराज्य का अभिन्न अंग बना लिया गया। सभी प्रजाति के लोगों को समानता का अधिकार दिया गया।

अथवा, मुद्रण क्रांति का तात्पर्य केवल किताबों का नया और विकसित होने से नहीं था बल्कि इसने मानव जीवन को पूरी तरह से परिवर्तित कर दिया। छापेखाने का आविष्कार महज तकनीकि दृष्टि से नाटकीय बदलाव की शुरूआत नहीं थी। पुस्तक उत्पादन के नए तरीकों ने समाज एवं राष्ट्र की सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक एवं दार्शनिक मूल्यों तथा शक्तियों को सहज, स्वभाविक और निष्पक्ष दृष्टि प्रदान किया है। इसके बाद सूचना और ज्ञान से संस्था और सत्ता से उनका रिश्ता ही बदल गया है। इससे लोक चेतना बदली और चीजों को देखने का नजरीया ही बदल गया।

मुद्रण क्रांति ने एक सभ्य समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। इसने सामाजिक असंगतियों को दूर करने का प्रयास किया है। समाज के अधिकांश लोगों को शिक्षित और साक्ष बनाने का कार्य किया है। मुद्रण संस्कृति के प्रसार का प्रभाव महिलाओं, गरीबों और धर्मसुधारकों पर भी बहुत असर पड़ा है। महिलाएँ पहले की अपेक्षा अधिक पढ़ने लगी है। चौक चौराहों पर बिल्कुल सस्ती दर पर किताब बेचे जा रहे हैं। जगह-जगह पर पुस्तकालयों का निर्माण होने से गरीबों में भी अध्ययन की रूचि बढ़ी है। इससे व्यक्ति में आलोचनात्मक और तार्किक दृष्टिकोण का विकास हुआ है।

9. (ख), 10. (ग), 11. (i), (ii) सतलज।

12. भारत की आबादी तीव्र गति से बढ़ रही है। स्वतंत्रता के बाद भारत की जनसंख्या लगभग तिगुनी हो गई है। आबादी वृद्धि के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में जल की माँग भी तेज गति से बढ़ी है। पेयजल, सिंचाई तथा उद्योग धंधों में वृद्धि के फलस्वरूप जल की माँग भी काफी बढ़ गया है।

1951 ई. में भारत में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता 5177 घन मीटर थी, जो 2001 में 1829 घन मीटर प्रति व्यक्ति तक पहुँच गई है। यह अनुमान है 2025 तक प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता 1342 घन मीटर प्रति व्यक्ति हो जाएगी। जोकि जल संकट को संकेत करता है।

जल का मानव जीवन में बहुत महत्व है। कहा भी गया है जल ही जीवन है। अर्थात प्राणी एवं वनस्पति में भी अधिकांश भाग जल के ही होते हैं। पेयजल, घरेलू कार्य, सिंचाई, उद्योग, जन-स्वास्थ्य स्वच्छता तथा मलमूत्र विसर्जन इत्यादि कार्यों के लिए जल की आवश्यकता होती है।

13. खनिजों का आर्थिक महत्व—पृथ्वी पर जल और थल अति महत्वपूर्ण खजाने है ठीक उतने ही महत्वपूर्ण खनिज संसाधन भी है। खनिज संसाधन के अभाव में देश के औद्योगिक विकास को गति एवं दिशा नहीं दे सकते हैं। फलस्वरूप देश का आर्थिक विकास अवरूद्ध हो सकता है। विश्व के बहुत से देशों में खनिज संपदा राष्ट्रीय आय के प्रमुख स्रोत बने हुए है। खनिजों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एक बार इसे उपयोग करने के बाद यह समाप्त हो जाता है। अत: इसका संबंध हमारे वर्तमान एवं भविष्य के कल्याण से है। खनिज ऐसे क्षयशील संसाधन है जिन्हें दो बार नवीनीकृत नहीं किया जा सकता है। अत: खनिजों का संरक्षण बहुत जरूरी है।

14. पेट्रोलियम शक्ति के सभी साधनों में सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। आधुनिक युग में कोई भी राष्ट्र इसके बिना अपने अस्तित्व को कायम नहीं रख सकती है। पेट्रोलियम विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ जैसे गैसोलीन, डीजल, किरासन तेल, स्नेहक, कीटनाशक दवाएँ, दवाएँ पेट्रोल, साबुन कृत्रिम रेशा, प्लास्टिक इत्यादि बनाए जाते हैं।

15. प्रदूषण को विखंडित करने के उपाय—प्रदूषण को उचित योजनाओं के द्वारा रोका

सकता है। उद्योगों को निर्धारित क्षेत्रों में स्थापित करके उपकरणों की गुणवता को बनाए रखकर तथा सही परिसंचालन द्वारा, वैकल्पिक ईंधन का चयन तथा उसके सही उपयोग से वायु प्रदूषण को रोका जा सकता है। उद्योगों में कोयले के स्थान पर तेल के उपयोग से धुआँ रोका जा सकता है।

वर्तमान में कई ऐसे उपकरण है जिनके माध्यम से वायु में उत्सर्जित प्रदूषकों को रोका जा सकता है। इनमें पृथककारी छन्ना, बैग फिल्टर तथा स्क्रबर यंत्र इत्यादि है।

15. अथवा,

अथवा, नेत्रहीन के लिए

गन्ने की खेती—यह बाँस की प्रजाति का एक पौधा है जिससे मीठा रस निकलता है और इससे गुड़ तथा चीनी तैयार किया जाता है। भारत को गन्ने की जन्म भूमि कहा जाता है। यह एक उष्ण एवं उपोष्ण कटिबंधीय फसल है। यह 21°C से 27°C तापमान और 75 cm से 100 cm वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र में इसकी खेती की जाती है। कम वर्षा वाले प्रदेश में इसे सिंचाई की आवश्यकता होती है। यह अनेक प्रकार की मिट्टी में उगाया जाता है। लेकिन गहरी दोमट मिट्टी जिसमें जल का प्रवाह अच्छा रहता है। इसकी कृषि के लिए बहुत उपयुक्त है। इसकी फसल मिट्टी की उर्वरता को जल्द ही समाप्त कर देता है इसलिए इसकी खेती के लिए अधिक मात्रा में उर्वरक एवं खाद की आवश्यकता होती है।

भारत में यह फसल दक्षिण में कन्याकुमारी से लेकर उत्तर में पंजाब के गुरुदासपुर तक उगाया जाता है।

16. (ख), 17. (घ)

18. देखें 2012(C) प्रश्न सं॰-26 का उत्तर।

19. सामुदायिक समाज की संरचना स्वाभाविक समुदाय बनाती है। जातियों के हित अलग-अलग होते हैं। फलस्वरूप जातियों के बीच संघर्ष एवं तनाव की प्रवृत्ति व्याप्त होती है। इन संघर्षों एवं तनाव के पीछे जातियों के हित छुपे होते हैं। परिणामत: जातिगत टकराव की स्थिति देखी जाती है। पिछड़ी जातियाँ बनाम अगड़ी जातियाँ का आधार जातिगत ही था। पिछड़ों एवं दलितों के बीच का संघर्ष जातिगत असमानता पर पनपने वाले असंतोष है। बिहार के संदर्भ में दलित एवं महादलित जिसका आधार भी समुदाय-विशेष का सामाजिक एवं जातिगत विभाजन है, उभर कर सामने आया है।

निर्वाचन के पूर्व राजनैतिक दलों द्वारा क्षेत्र-विशेष हेतु उम्मीदवार चुनते समय क्षेत्र के जातीय समीकरण का ध्यान रखा जाना, सरकार गठन के समय भी जातीय जोड़-तोड़ का ध्यान रखा जाना, जीत हेतु जातिगत मुद्दे को उठाया जाना, जाति के आधार पर पार्टी का गठन, जाति-विशेष की पार्टी का वोट बैंक आदि स्थितियाँ यह सिद्ध करने के लिए यथेष्ट हैं कि जाति का महत्व बना है। राजनैतिक दल इन असमानताओं को उभारने का प्रयास अपने राजनैतिक स्वार्थ के लिए करते हैं।

20. देखें 2011(C) प्रश्न सं०-33 का उत्तर।

21. भारतीय लोकतंत्र की सफलता का एक पहलू यह है कि जनता की सहभागिता को लोकतंत्र की व्यवस्था में बढ़ाने के लिए ढेर सारे प्रयास किए गए। आज सक्रिय रूप से सभी की हिस्सेदारी भारतीय लोकतंत्र में हो गयी है। बाद के कुछ दशकों में जनता जज्बातों एवं भावनाओं के आधार पर मतदान करती थी। अब ऐसा नहीं बल्कि समझ के आधार पर मतदान का काम ल रहा है। 2009 में 15वीं लोकसभा के परिणामों से यह स्पष्ट हो गया कि जनता ने आपराधिक ेत्र वाले उम्मीदवारों को सिरे से खारिज कर दिया। 2014 के 16वीं लोकसभा चुनाव में काँग्रेस का सफाया हो गया। जनता अब यह समझने लग गयी कि उसे किसी को भी गद्दी से उतारने तथा बिठाने की शक्ति हैं भारतीय लोकतंत्र को सफल हम इस कारण भी कह सकते हैं कि यह कई बार परीक्षाओं की घड़ी से गुजरा है तथा सफल रहा है। आपातकाल की घोषणा के पूर्व की स्थिति तथा बाद की स्थितियों को भारतीय लोकतंत्र ने सफलतापूर्वक झेला है तथा पुनः समृद्धि एवं मजबूती की ओर चल पड़ा है।

**अथवा,** देखें 2014(A) प्रथम पाली, प्रश्न सं०-19 अथवा का उत्तर।

22. (ख), 23. (क)

24. किसी वस्तु या सेवा का विनिमय किसी अन्य वस्तु के साथ या सेवा के साथ प्रत्यक्ष रूप से होना वस्तु-विनिमय कहलाता है।

25. देखें 2014(A) द्वितीय पाली, प्रश्न सं०-24 का उत्तर।

26. देखें 2014(A) द्वितीय पाली, प्रश्न सं०-26 का उत्तर।

27. देखें 2011(C) प्रश्न सं०-41 का उत्तर।

**अथवा,** उपभोक्ताओं के संरक्षण तथा उनके शोषण को समाप्त करने के लिए 1986 ई० में भारत सरकार ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम (Consumer Protection Act) पारित किया जो बहुत ही व्यापक और महत्वपूर्ण है। इस अधिनियम के अन्तर्गत दण्ड देने के स्थान पर उपभोक्ताओं की क्षतिपूर्ति की व्यवस्था की गई है।

इस अधिनियम के अन्तर्गत राष्ट्र, राज्य एवं जिला स्तरों पर एक अर्द्ध न्यायिक तंत्र की स्थापना करने की व्यवस्था की गई है। इस राष्ट्र स्तर पर राष्ट्रीय आयोग,राज्य स्तर पर राज्य आयोग तथा जिला स्तर जिला अदालत कहा जाता है। राष्ट्रीय तथा अन्य आयोग को अपील सुनने का अधिकार दिया गया है। इस अधिनियम की विशेषता निम्नलिखित हैं-

**(i) न्यायिक प्राधिकरण**- इस अधिनियम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एक न्यायिक प्राधिकरण का गठन किया गया है जिसके तहत उपभोक्त को उचित न्याय मिलता है तथा बदले में उनका मानहानि का भी ख्याल रखा जाता है।

**(ii) त्वरित कार्रवाई**- इस अधिनियम के तहत दर्ज की गई शिकायत के आधार पर त्वरित कार्रवाई की जाती है।

**(iii) सूचना पाने का अधिकार**- उपभोक्ताओं को इस अधिनियम के तहत वे सभी अधिकार प्रदान किए हैं जो उस वस्तु या सेवा को ग्रहण करना चाहते हैं। जैसे-गुणवत्ता, पोषाहार की मात्रा, वैधानिक चेतावनी, निर्माता का नाम व पता, अवयवों की सूची आदि।

**(iv) उपभोक्ता शिक्षा**- इस अधिनियम के तहत उपभोक्ता को शिक्षित करने का प्रयास किया गया है। दूसरे शब्दों में उपभोक्ता को जागरूक बनाया गया है कि वह अपने अधिकार और कर्तव्य को जान सके। वस्तुओं की खरीदारी करते समय एक सजग उपभोक्ता के रूप में अपना निर्णय लें।

28. (क), 29. (घ)

30. देखें 2014(A) द्वितीय पाली प्रश्न सं०-30 का उत्तर।

●●●

20. देखें 2011(C) प्रश्न सं०-33 का उत्तर।

21. भारतीय लोकतंत्र की सफलता का एक पहलू यह है कि जनता की सहभागिता को लोकतंत्र की व्यवस्था में बढ़ाने के लिए ढेर सारे प्रयास किए गए। आज सक्रिय रूप से सभी की हिस्सेदारी भारतीय लोकतंत्र में हो गयी है। बाद के कुछ दशकों में जनता जज्बातों एवं भावनाओं के आधार पर मतदान करती थी। अब ऐसा नहीं बल्कि समझ के आधार पर मतदान का काम ल रहा है। 2009 में 15वीं लोकसभा के परिणामों से यह स्पष्ट हो गया कि जनता ने आपराधिक ेत्र वाले उम्मीदवारों को सिरे से खारिज कर दिया। 2014 के 16वीं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का सफाया हो गया। जनता अब यह समझने लग गयी कि उसे किसी को भी गद्दी से उतारने तथा बिठाने की शक्ति हैं भारतीय लोकतंत्र को सफल हम इस कारण भी कह सकते हैं कि यह कई बार परीक्षाओं की घड़ी से गुजरा है तथा सफल रहा है। आपातकाल की घोषणा के पूर्व की स्थिति तथा बाद की स्थितियों को भारतीय लोकतंत्र ने सफलतापूर्वक झेला है तथा पुनः समृद्धि एवं मजबूती की ओर चल पड़ा है।

अथवा, देखें 2014(A) प्रथम पाली, प्रश्न सं०-19 अथवा का उत्तर।

22. (ख), 23. (क)

24. किसी वस्तु या सेवा का विनिमय किसी अन्य वस्तु के साथ या सेवा के साथ प्रत्यक्ष रूप से होना वस्तु-विनिमय कहलाता है।

25. देखें 2014(A) द्वितीय पाली, प्रश्न सं०-24 का उत्तर।

26. देखें 2014(A) द्वितीय पाली, प्रश्न सं०-26 का उत्तर।

27. देखें 2011(C) प्रश्न सं०-41 का उत्तर।

अथवा, उपभोक्ताओं के संरक्षण तथा उनके शोषण को समाप्त करने के लिए 1986 ई० में भारत सरकार ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम (Consumer Protection Act) पारित किया जो बहुत ही व्यापक और महत्वपूर्ण है। इस अधिनियम के अन्तर्गत दण्ड देने के स्थान पर उपभोक्ताओं की क्षतिपूर्ति की व्यवस्था की गई है।

इस अधिनियम के अन्तर्गत राष्ट्र, राज्य एवं जिला स्तरों पर एक अर्द्ध न्यायिक तंत्र की स्थापना करने की व्यवस्था की गई है। इस राष्ट्र स्तर पर राष्ट्रीय आयोग,राज्य स्तर पर राज्य आयोग तथा जिला स्तर जिला अदालत कहा जाता है। राष्ट्रीय तथा अन्य आयोग को अपील सुनने का अधिकार दिया गया है। इस अधिनियम की विशेषता निम्नलिखित हैं-

(i) न्यायिक प्राधिकरण- इस अधिनियम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एक न्यायिक प्राधिकरण का गठन किया गया है जिसके तहत उपभोक्त को उचित न्याय मिलता है तथा बदले में उनका मानहानि का भी ख्याल रखा जाता है।

(ii) त्वरित कार्रवाई- इस अधिनियम के तहत दर्ज की गई शिकायत के आधार पर त्वरित कार्रवाई की जाती है।

(iii) सूचना पाने का अधिकार- उपभोक्ताओं को इस अधिनियम के तहत वे सभी अधिकार प्रदान किए हैं जो उस वस्तु या सेवा को ग्रहण करना चाहते हैं। जैसे-गुणवत्ता, पोषाहार की मात्रा, वैधानिक चेतावनी, निर्माता का नाम व पता, अवयवों की सूची आदि।

(iv) उपभोक्ता शिक्षा- इस अधिनियम के तहत उपभोक्ता को शिक्षित करने का प्रयास किया गया है। दूसरे शब्दों में उपभोक्ता को जागरूक बनाया गया है कि वह अपने अधिकार और कर्तव्य को जान सके। वस्तुओं की खरीदारी करते समय एक सजग उपभोक्ता के रूप में अपना निर्णय लें।

28. (क), 29. (घ)

30. देखें 2014(A) द्वितीय पाली प्रश्न सं०-30 का उत्तर।

●●●